

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	REMINGTON GAIL 22nd Dec S1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2018-12-22 15:28:33
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	20129858
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298118
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 201298118
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012981183 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

जीवन में भगवान सबको समान अवसर देते हैं। कुछ लोग इन अवसरों की गंभीरता समझते हुए इन अवसरों का लाभ उठाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा भगवान के भरोसे रहते हैं और बस इंतजार करते रह जाते हैं। एक बार का बात है एक नदी के पास ही एक शहर था जहां पर सभी लोग सुख से जीवन बिता रहे थे।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	20129859
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298119
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298119
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012981184 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

विजयनगर साम्राज्य द्वारा तालिकोट का युद्ध हारने के कई कारण थे। इसको समझने के लिए पहले इतिहास का कुछ ज्ञान होना चाहिए। उत्तर भारत में इतिहास की पुस्तकों में विजयनगर साम्राज्य के बारे में संभवतः बहुत कम जानकारी है। मुगलों के बारे में तो सब जानते ही हैं, क्योंकि बाहरवीं कक्षा तक की पुस्तकों में तो बहुत सारे अध्याय उनके बारे में थे लेकिन तालिकोट के युद्ध के बारे में बहुत कम ही लोग जानते होंगे। कृष्णदेवराय का नाम तो आपने सुना ही होगा। यह भारत के महान राजा थे, या यूँ कहना भी गलत नहीं होगा कि वे वह भारत के अत्युत्तम शासकों में से एक थे। जब यह राजा थे, तब विजयनगर साम्राज्य पूरे विश्व भर में समृद्ध राज्य था। आज गूगल कीजिए, कई विदेशी यात्रियों ने इस साम्राज्य के बारे में और श्री कृष्णदेवराय के बारे में लिखा है। जब तक इन्होंने राज्यभार संभाला, इनका राज्य बहुत सुरक्षित और समृद्ध रहा था। इनके बाद आए एक और राजा के समय तक भी राज्य अच्छी तरह से सुरक्षित था। जब कृष्णदेवराय के दामा रामराय राज्यभार संभालने लगे तब भी एक हद तक ठीक ठाक ही था। कुछ गलत नीतियाँ रामराय के तालिकोट की हार का कारण हो सकती हैं। रामराय चतुर था, जब सारे दखन सुल्तानों के बीच अधिकार के लिए संघर्ष हुआ करते थे, तब रामराय एक बार एक सुल्तान को समर्थन देता था, तो दूसरी बार दूसरे को। ऐसे ही कुछ साल गुजर गये। एक बार सभी सुल्तानों ने इकट्ठा होकर आपस में बात की कि यह रामराय तो हमें मुर्ख बना रहे हैं और उपाय किया कि विजयनगर पर एक साथ धावा करेंगे। दूसरा और बहुत ही खास कारण यह भी है कि रामराय ने दो गिलानी भाइयों को अपनी सेना का सेनानायक बना करके बहुत बड़ी भूल कर दी। ये दोनों मुसलमान थे और वो हिंदू साम्राज्य के लिए काम करने लगे थे। ये दोनों पहले पहले बीजापुर के सुल्तान की सेना में सेनानायक थे। रामराय ने अपने पुराने सेनापति को सेना से निकाल दिया था। युद्ध के समय यह दोनों गिलानी भाई सुल्तान के साथ जा मिले, और रामराय को बंदी बनाकर उसका सर काट दिया गया, उसी समय से विजयनगर की राजधानी हंपी का विध्वंस होना शुरू हो गया। तीसरा कारण यह है कि विजयनगर साम्राज्य में अश्वारोही सेना की कमी थी और कुछ सौ हाथी थे। सुल्तानों के पास हाथी नहीं थे और प्रचुर अश्वारोही सेना थी। सुल्तानों की सेना में अश्वारोही ज्यादा होने के कारण सेना के अधिकारी सेना को जल्दी से जल्दी दिशा-निर्देश जल्दी पहुँचा दिया करते थे। चौथा कारण यह है कि विजयनगर की सेना के मुख्य सेनाधिपति और सेनानायकों की आयु बहुत ज्यादा थी। खासकर रामराय एवं उसके शत्रुओं के सेनानायकों की आयु में अत्यधिक अंतर होना भी पराजय का एक कारण हो सकता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes